आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 20.04.2025 **समय : 1905**

- **मानसून पूर्व जल संरक्षण और जागरूकता पर द्वीपसमूह में एक महीने का अभियान शुरू किया गया है।**
- **पूरे विश्व के साथ–साथ द्वीपसमूह में भी आज ईस्टर का त्यौहार मनाया जा रहा है।**
- **फिट इंडिया मूवमेंट के तहत साइकिल रैली का आयोजन किया गया।**
- **मध्योत्तर अण्डमान की उप–मण्डलीय विधिक सेवा समिति द्वारा एक कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।**

<><><><><><><><>

मानसून पूर्व तैयारियों की गतिविधियों के तहत अंडमान लोक निर्माण विभाग ने जल गुणवत्ता निगरानी, जल संरक्षण और जल निकायों के कायाकल्प को बढ़ावा देने के लिए द्वीपसमूह में एक महीने का अभियान शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य स्कूली छात्रों, जन प्रतिनिधियों और विशेष रूप से महिला हितधारकों को शामिल करते हुए जन जागरूकता पैदा करना और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। पहले चरण में, गाँव के घरों, आंगनवाड़ियों, सामुदायिक भवनों और सार्वजनिक स्थानों सहित विभिन्न स्रोतों से पानी के नमूने एकत्र किए जाएंगे और उनका परीक्षण किया जाएगा और परिणाम जल जीवन मिशन के पोर्टल पर अपलोड किए जाएंगे। दूसरे चरण में आगामी मानसून के लिए उन्हें तैयार करने के लिए सभी जल स्रोतों की सफाई और मामूली मरम्मत कार्यों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। तीसरे चरण में, पीआरआई सदस्य जल शोधन, गुणवत्ता परीक्षण और वितरण की प्रक्रियाओं को समझने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र के तहत जल उपचार संयंत्रों का दौरा करेंगे और अंतिम चरण को "शून्य रिसाव सप्ताह" के रूप में मनाया जाएगा, जिसके दौरान विभाग जल वितरण नेटवर्क में पहचाने गए रिसावों की मरम्मत करेगा ताकि कुशल जल वितरण सुनिश्चित किया जा सके।

<><><><><><><><>

पूरे विश्व के साथ–साथ द्वीपसमूह में भी आज ईस्टर का त्यौहार मनाया जा रहा है। यह दिन ईसा मसीह के कैल्वारी में सलीब पर चढ़ने और मृत्यु के बाद उनके पुनरुत्थान का प्रतीक है। इस अवसर पर गिरजाघरों में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईस्टर पर्व के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं हैं।

<><><><><><><><>

कृषि आधारित पर्यटन यानि एग्रो टूरिज्म आज ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने का नया जरिया बनता जा रहा है। एग्रो टूरिज्म के बढ़ने से न केवल किसानों की आमदनी बढेगी, बल्कि ग्रामीण युवाओं के लिए भी रोज़गार के नए अवसर तैयार होंगे। इसके चलते पर्यटक खेतों में रह कर ग्रमीण जीवन शैली, जैविक खेती और लोक संस्कृति का अनुभव कर सकते हैं। सरकार भी इस क्षेत्र का बढ़ावा देने के लिए एग्रो टूरिज्म हब और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू कर रही है। इससे आने वाले वर्षों में लोगों को स्वरोजगार का अवसर प्राप्त होगा। इस अवसर पर केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान के निदेशक डॉ. ई बी. चाकुरकर ने इसके महत्व को बताते हुए कहा।

<><><><><><><><>

मध्योत्तर अण्डमान की उप–मण्डलीय विधिक सेवा समिति द्वारा एक कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कलस्टर रिसॉर्स सेन्टर मॉडल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल सीतानगर में कल आयोजित इस कार्यक्रम में सोलह फीडर स्कूलों के शिक्षकों ने भाग लिया। इस अवसर पर अपर ज़िला एवं सत्र न्यायधीश शुभोजीत बसु मुख्य अतिथि थे। उन्होंने शिक्षकों को किशोरों से जुड़े मुद्दों पर सतर्क और सक्रिय भूमिका निभाने के बारे में जानकारी दी। साथ ही पॉक्सों से संबंधित मामलों की तत्काल पुलिस में कार्रवाई पर ज़ोर दिया। उन्होंने पढ़ाई छोड़ चुके बच्चों को स्कूल वापस लाने के विशेष प्रयास करने का भी सुझाव दिया। विशेष अतिथि मुख्य न्यायिक

मजिस्ट्रेट तरूण कुमार मण्डल ने कहा कि छात्रों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रह कर शिक्षकों द्वारा बच्चों को नैतिक मूल्यों का विकास करना चाहिए, जिससे उनका व्यक्तित्व और चरित्र मजबूत बन सके। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विभाग से मानसिक परामर्श सत्र आयोजित कराने की भी सिफारिश की गई, ताकि ज़रूरतमंद बच्चों को सही समय पर मदद की जा सके। सी आर सी समन्वयक व प्रधानाचार्य बलबीर सिंह और मायाबंदर के उप–शिक्षा अधिकारी प्रकाश हवलदार ने भी शिक्षकों से, किशोर छात्रो की समस्याओं का मनोवैज्ञानिक तरीके से हल करने पर बल दिया। उप–शिक्षा अधिकारी सुलोचना के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

<><><><><><><>

शिक्षा निदेशालय, के विज्ञान विंभाग द्वारा राज्य स्तरीय जल संरक्षण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कक्षा छठवीं से नवमी से सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के छात्रों के लिए आयोजित हुआ। दक्षिण अण्डमान और विम्बर्लीगंज ज़ोन के छात्र इस कार्यक्रम में ऑफ लाइन मोड़ में शिक्षा सदन में सम्मिलित हुए, जबकि बाकी सात ज़ोन के छात्र ऑनलाइन मोड़ के माध्यम से शामिल हुए। इस अवसर पर शिक्षा निदेशक विक्रम सिंह ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा जल संरक्षण एवं वर्षा जल के शुद्धिकरण तथा भविष्य में वर्षा जल को कैसे बचाया जाए, के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए विद्यार्थियों से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन मोड में बातचीत की। साथ ही जल संरक्षण के महत्व और दैनिक जीवन में टिकाउ उपाय अपनाने के विषय में चर्चा की।

<><><><><><><>

नेशनल फेडरेशन ऑफ स्टेट कोऑपरेटिव बैंक द्वीपसमूह के स्टेट कोऑपरेटिव बैंक के सहयोग से "संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 मनाने की रणनीति" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने जा रहा है। यह संगोष्ठी बाईस से पच्चीस अप्रैल तक होटल कल्कि में आयोजित की जाएंगी। इस संगोष्ठी में इेशभर के राज्य सरकारी बैंकों के प्रतिनिधि अध्यक्ष और प्रबंध निदेशको के अधिकारी भाग लेंगे।

<><><><><><><>

देश के विदेशी मुद्रा बाजार में पिछले चार वर्षों में मजबूत वृद्धि देखी गई है। यह वर्ष 2020 के बत्तीस अरब डॉलर से लगभग दोगुना होकर 2024 में साठ अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत के वित्तीय बाजार अधिक गतिशील और लचीले हो गए हैं। देश के वित्तींय बाजार के बुनियादी ढांचे को अत्याधुनिक बताते हुए, उन्होंने कहा कि इनकी पारदर्शिता का स्तर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बाजारों के बराबर है।

<><><><><><><>